CPL - 03

December - Examination 2015

CPL Examination

प्राकृत व्याकरण (प्रारम्भिक) एवं रचना

Paper - CPL - 03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

(खण्ड – अ) 10 x 2 = 20

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। हर प्रश्न दो अंक का है। उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द है।

1) (i) प्राकृत भाषा में कितने लिंग होते है ?

(ii) 'अहं लुक्कमि' वाक्य का अर्थ लिखिए।

(iii) प्राकृत भाषा में कितने प्रकार के वचन होते हैं ?

(iv) 'कमलं विअसइ' वाक्य में किस काल का प्रयोग हुआ है ?

(v) 'लोगुत्तमा' में सन्धि विच्छेद कीजिए।

(vi) कर्तृवाच्य में कर्ता किस विभक्ति में प्रयुक्त होता है ?

(vii) 'णच्चन्ता' शब्द में कौनसा कृदन्त प्रयुक्त है ?

(viii) 'रवीरुल्ल' में स्वार्थिक प्रत्यय क्या है ?

(ix) 'ससा हसिआ' वाक्य का अर्थ बताइए।

(x) 'बालांटहिं खेलिज्जइ' वाक्य का वाच्च बताइए।

(खण्ड – ब) 4 x 10 = 40

नोट : निम्नलिखित में से कोई चार प्रश्न कीजिए। हर प्रश्न 10 अंक का है। उत्तर सीमा अधिकतम 200 शब्द है।

2) कारक की परिभाषा उदाहरण सहित समझाइए।

3) कर्ता के अनुरूप क्रिया का शुद्ध रूप लगाइए।
   (i) विमाणाइं उड्डदि
   (ii) सलिलो चुइहिन्ति
   (iii) ससाओ जग्गड
   (iv) परमेसरो हरिसेन्तु
   (v) माउलो थक्किरे

4) अव्यय सन्धि क्या है ? समझाइए।

5) स्वार्थिक प्रत्यय क्या है, उदाहरण सहित समझाइए।

6) निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य बताइए –
   (i) विमाणेन उड्डिहिइ
   (ii) माया उल्लसइ
   (iii) नरिन्देण अहं कोक्किज्जयि
   (iv) परमेसरो हरिसेन्तु
   (v) मइ हसिज्जइ

7) सम्बन्धक भूतकृदन्त के प्रत्ययों को उदाहरण सहित समझाइए।

8) प्रेरणार्थक क्रिया एवं उसके प्रत्यय उदाहरण सहित समझाइए।

9) निम्नलिखित वाक्यों की प्राकृत में रचना कीजिए –
   (i) हम सब जीते हैं
   (ii) वह सोवे
   (iii) वह हँसकर जीवेगा
   (iv) पुत्र हँसते हैं
   (v) वस्तु में सुख होता है

(खण्ड – स) 2 x 20 = 40

निर्देश : निम्नांकित में से दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है । उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द है।

10) क्रिया विशेषण एवं समुच्चयबोधक अव्ययों को वाक्य में प्रयोग कर समझाइए।

11) हेत्वर्थक कृदन्त का विवेचन कीजिए।

12) वाच्च का सामान्य परिचय देते हुए भाववाच्य को स्पष्ट कीजिए।

13) सकर्मक क्रियाओं से बने हुए अनियमित भूतकालिक कृदन्त को वाक्यों में प्रयोग कर समझाइए।

———